डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय

डॉ. अम्बेडकर नगर, महू

आदिवासी दिवस

एक दिवसीय संगोष्ठी – 08 अगस्त 2019

अनुसूचित जनजाति महिला शिक्षा :चुनौतियॉ अवसर एवं उपाय

संगोष्ठी स्थल –संकाय भवन

आदिवासी दिवस : किसी भी देश समाज व परिवार का उत्थान तभी सम्भव है जब उस देश की महिलाएँ शिक्षित हो। यह अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षा के महत्व को समझते हुए डॉ. अम्बेडकर का कथन था की भारतीय महिलाओं पर उठे सवालों (शोषण ,उत्पीड़न ,अज्ञान ,अपमान और सामाजिक विषमता) की मूल वजह कुछ और नहीं बल्कि भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के सन्दर्भ में उनके विचार स्पष्ट थे अम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही " **शिक्षित बनो** " से होती है। इस मूलमंत्र से आज कितनी महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है। समाज के विकास के लिए दिए गए इस सिद्धांत के जरिए आज हजारों साल पुरानी जातिप्रथा में विभाजित वर्ग (**अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग**) आज के सामान्य वर्ग के साथ बराबरी से खड़े होने में सक्षम है। परन्तु यदि महिला शिक्षा एवं पुरुष शिक्षा पर गौर करे तो साक्षरता के आंकड़ों से स्पष्ट होता है की आज भी जनजातिय वर्ग की महिलाएं शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ी है। जो कि उनके सामाजिक ,आर्थिक ,राजनैतिक व सांस्कृतिक विकास में मुख्य बाधा है। भौगोलिक बाहुल्य दृष्टि से जनजाति क्षेत्र जिसमें जनजाति मध्यप्रदेश के दक्षिणी –पश्चिमी एवं पश्चिमी क्षेत्र में अलिराजपुर , झाबुआ , धार , बड़वानी आते है। दक्षिणी क्षेत्र में बैतूल तथा दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र में मण्डला , डिण्डोरी ,पूर्वी क्षेत्र में शहडोल , अनूपपुर ,उमरिया तथा उत्तर में श्योपुर मुख्य जनजाति निवास करती हैं। जनगणना 2011 के अनुसार साक्षरता तथा महिला साक्षरता दोनों में मध्यप्रदेश का देश में 28$^{वाँ}$ स्थान है। मध्यप्रदेश में कुल 21.1 प्रतिशत जनजाति निवास करती है। जिसमें मध्यप्रदेश के पॉच सर्वाधिक जनजाति प्रतिशत वाले जिले अलिराजपुर , झाबुआ , बड़वानी , डिण्डोरी एवं मण्डला है। इस पॉचों जिलो में साक्षरता दर में अत्यधिक अन्तर पाया गया है। मध्यप्रदेश के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति चिन्ताजनक है। अलिराजपुर–31प्रतिशत , झाबुआ – 34.3 प्रतिशत,बड़वानी– 43.1 प्रतिशत,श्योपुर – 44.5 प्रतिशत,शिवपुरी – 49.5 प्रतिशत न्यूनतम महिला साक्षरता दर है। इस प्रकार स्पष्ट होता है की जनजाति महिलाओं में साक्षरता दर 50 प्रतिशत से भी कम है। जनजाति वर्ग के विकास व उत्थान हेतु म.प्र. सरकार कई शासकीय योजनाएं चला रही है। जैसे –

1.मुख्यमन्त्री विदुषी योजना ।
2.स्टेट स्कॉलरशिप स्कीम ।
3.मध्याह्न भोजन योजना।
4.प्रोढ़ शिक्षा अभियान ।
5.मध्याह्न भोजन योजना ।
6.पोस्टमैट्रिक स्कॉलरशिप।
7.सर्वशिक्षा अभियान योजना ।
8.युनिफार्म सप्लाई प्लान।
9.किशोरी साईकल योजना।
10. ट्रेनिंग स्कीम (कम्पयुटर , मेनेजमेन्ट इत्यादि)
11. सिविल सर्विसेस एक्जामिनेशन(अज.अजजा.)
12. एडिशनल स्कॉलरशिप (11$^{वी}$ एवं 12$^{वी}$ विद्यार्थी हेतु)
13.कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना।
14. विदेश छात्रवृत्ति।
15. मेरिट स्कालरशिप हॉस्टल फेसिलिटी स्कीम ।
16. गर्ल्स लिट्रेसी इनकरेजमेन्ट प्रोग्राम।
17. मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना।

चुनौतियॉः–

1.अनुदेश या शिक्षण की भाषा।
2.प्रवास।
3.पाठ्यक्रम सामग्री।
4.प्रवेश।
5. लिंग भेद ।
6. प्रोत्साहन राशि।
7. सामाजिक या समुदाय की सहभागिता और स्वामित्व।
8. अध्यापक या शिक्षक का शिक्षण और प्रशिक्षण।

अवसर एवं उपायः–

1. शैक्षिक एवं आर्थिक हितों के उन्नयन को बढ़ावा ।
2. सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के सामाजिक शोषण से उनकी रक्षा।
3. अनुच्छेद 46 के अनुसार राज्य के द्वारा किये जाने वाले प्रयास का क्रियान्वयन।
4. शिक्षा एवं रोजगार के पूर्ण अवसरों की समानता उपलब्ध कराना।
5. शिक्षा के महत्व का प्रचार , प्रसार करना व जागरुकता पैदा करना।
6. विद्यालयीन पाठ्यक्रमों मे शामिल हो चुकी साम्प्रदायिक एवं जातिगत सामग्री को निकालना।
7. आरक्षित सीटो को समयबद्ध ढंग से भरा जाय।
8. प्राथमिक स्कूल एवं अन्य शिक्षण संस्थानों की न्यूनतम दूरी।

अतिथि एवं विषय विशेषज्ञः–

1. अध्यक्षता – प्रो. आशा शुक्ला ,कुलपति महोदया , ब्राउस
2. मुख्य अतिथि – डॉ. अर्चना ठाकुर, संयुक्त सचिव , यू.जी.सी. नई दिल्ली
3. विशिष्ट अतिथि –सुश्री मोहिनी श्रीवास्तव ,सहायक आयुक्त, आदिवासी कल्याण विकास , इन्दौर
4. विषय वक्ता – प्रो. प्रियंका जैन,डायरेक्टर , शिक्षा अध्ययनशाला आई.पी.एस. , इन्दौर
5. विषय वक्ता –श्रीमति अलका भार्गव ,प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र पी.ई.टी.सी.(अजा,अजजा) , इन्दौर
6. विषय वक्ता –डॉ. जया फूकन , महिला अध्ययन केन्द्र ,भोपाल
7. संगोष्ठी संयोजक : डॉ. मनीषा सक्सेना , डीन एवं विभागाध्यक्ष,शिक्षा एवं कौशल विकास अध्ययनशाला ,ब्राउस
8. संगोष्ठी सचिव : सुश्री नमिता टोप्पो , सहायक प्राध्यापक शिक्षा एवं कौशल विकास अध्ययनशाला ,ब्राउस

संगोष्ठी स्थल – संकाय भवन

समय – प्रातः10.30 –2.00 बजे तक।

कार्यकारिणी :–

1. **प्रशासनिक समन्वयक –**
   1. कुलसचिव
   2. सहायक कुलसचिव
2. **स्वागत एव मंच –**
   1. श्री संजय खोब्रागडे ,भण्डार शाखा
   2. श्रीमति सुषमा पाटील
   3. अध्ययनशाला शोधार्थी
3. **मीडिया ,फोटोग्रॉफी वीडियो एवं रिपोर्ट–**
   1. सुश्री नमिता टोप्पो , संगोष्ठी सचिव
   2. डॉ. धनंजय सिंह , अतिथि विद्वान
   3. श्री. भारत भाटी , अतिथि विद्वान
   4. श्री. शंकर गोहिल
4. **भोजन व्यवस्था –**
   1. डॉ. अशोक कुमार एवं सहयोगी
5. **वित्त व्यवस्था –**
   1. श्री. के.के. वैद्य
   2. श्री. महेन्द्र हार्डिया
6. **अध्ययनशाला शोधार्थी** (समस्त कार्यों में सहयोग हेतु)
   1. सुश्री अदिती जोशी
   2. सुश्री सपना मोरे (ICSSR Fellow)
   3. श्री विनोद भार्गव
   4. श्री विकास शर्मा
   5. सुश्री दुर्गेश मिश्रा (UGC Net)
   6. सुश्री सरिता आर्य (RGNF Fellow)